>Title: Need for an impartial inquiry into the murder of Shri Haren Pandya, ex-Minister of Gujarat.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विाय की ओर इस सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। 20 तारीख को मैं अहमदाबाद में स्वर्गीय श्री हरेन पांड्या के घर गया था। उनके पिता ने आपको, प्रधान मंत्री जी, राट्रपति जी, लीडर ऑफ ओपोजिशन, चन्द्रशेखर जी से लेकर तमाम दलों के नेताओं को पत्र लिखा है। उनके पिता का कहना है कि वहां जो जांच चल रही है, उसमें असली हत्यारे को बचाने का काम किया जा रहा है। उनका राज्य सरकार के ऊपर सीधा आरोप है। â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जयाबेन बी.ठक्कर (वडोदरा) : राम विलास पासवान जी, कल के समाचार पत्रों में आपने पढ़ा होगा या सुना होगा कि उनका हत्यारा पकड़ा गया है। â€¦(व्यवधान) आप सदन को गुमराह करने के लिए बोल रहे है। â€¦(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : उनके हत्यारे अभी तक पकड़े नहीं गये हैं। â€¦(व्यवधान) अभी तक बी.जे.पी. का कोई भी एम.पी. या एम.एल.ए. हरेन पांड्या के घर नहीं गया है। â€¦(व्यवधान) मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि â€¦(व्यवधान)

श्री मधुसूदन मिस्त्री : ये लोग केवल एक कम्यूनिटी को बदनाम करने में लगे हुए हैं। â€¦(व्यवधान) यहां पर ये स्टेटमैंट दें। â€¦(व्यवधान) यह पोलीटिकल मर्डर है। â€¦(व्यवधान) इस हत्या की इंक्वायरी इस हाउस से की जानी चाहिए। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अगर वह नहीं बोल रहे तो आप बोलिये। â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जयाबेन बी.ठक्कर : अध्यक्ष महोदय, पासवान जी को गुजरात जाने के सिवाय और कोई काम नहीं है। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Ram Vilas Paswan, you have made your point very clear. Now, I give the floor to Shri Prabhunath Singh.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय,मै कहना चाहता हूं कि श्री हरिन पाठक जो कि भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री थे, उन्होंने जनवरी माह के महीने में एक पत्र वहां के गृह मंत्री को लिखा था। उन्होंने उस पत्र में लिखा था कि उनकी जान पर खतरा है और उनकी हत्या की जायेगी। भारत सरकार का गृह राज्य मंत्री राज्य के गृह मंत्री को लिखता है। â€¦(व्यवधान) उस चिट्ठी को राज्य के गृह मंत्री ने अपनी पाकेट में रख लिया। वह चिट्ठी उन्होंने मंत्रालय में भी नहीं दी, सैक्रेट्री को भी नहीं दी। स्टेट का गृह राज्य मंत्री भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री की चिट्ठी को अपने पास रख लेता है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इससे ज्यादा टाइम मैं आपको और नहीं दे सकता। दो मिनट में आपको अपनी बात कहनी चाहिए।

...(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : मैं आपसे इतना आग्रह करना चाहता हूं कि उनके पिता का कहना है कि जब तक श्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री रहेंगे तब तक इसकी निष पक्ष जांच नहीं होगी। यदि निपक्ष जांच करनी है तो श्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री पद से हटाना होगा। यह हम सब लोगों की डिमांड है। â€¦(व्यवधान) हमारी सबकी मांग है कि श्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाये। उसके बाद सी.बी.आई. की जांच हो सकती है। â€¦(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, Haren Pandya's father says that so long as Shri Narendra Modi is the Chief Minister, there will be no impartial inquiry. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : केवल प्रभुनाथ सिंह जी की बात ही रिकार्ड में जायेगी।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, श्री राम विलास पासवान और सुमन जी â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इस विाय पर चर्चा हो रही है। बंसल जी, यह ठीक नहीं है।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please keep silence in the House.

...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, kindly hear us. It is a very important matter that Shri Ram Vilas Paswan has raised.

MR. SPEAKER: You can raise the issue under some other rule.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Shri Haren Pandya's father says that.â€¦ ..* Shri Haren Pandya's father is on record saying repeatedly and publicly that* â€¦â€¦. He says further that so long as Shri Narendra Modi is the Chief Minister, there will be no impartial inquiry. ...(*Interruption)*

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती भावनाबेन देवराजभाई चीखलीया) : अध्यक्ष महोदय, श्री जयपाल रेड्डी जी सीनियर मैम्बर हैं। इस तरह से वे कैसे कैसे नाम ले सकते हैं जबकि केस की जांच हो रही है। जब तक कोई कसूरवार साबित नहीं होता तब तक किसी का नाम नहीं लेना चाहिए। â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, उन्होंने आपको पत्र लिखा है।â€¦(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, this is an important issue. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Jaipal Reddy, you are a very senior and responsible leader of your party.

...(*Interruptions*)

*Expunged as ordered by the Chair

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, this is a matter of urgent public importance....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं एक मिनट इनको सुनना चाहता हूं।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, जब कोई और बोले तो ये खड़े हो जाते हैं और जब ये बोलें तो सब बैठ जाएं, यह कैसे हो सकता है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुझे रिक्वैस्ट करके कोई भी खड़ा रह सकता है। इन्होंने मुझे रिक्वैस्ट की है। रिक्वैस्ट के बिना जो खड़े होंगे, उन्हें मैं बैठने के लिए कहूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : उसके बाद सब खड़े हो जाएंगे।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं सबको परमीशन नहीं दूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Mr. Speaker, Sir, Shri Ram Vilas Paswan has raised a matter of urgent public importance. This is about the killing of Shri Haren Pandya over which all sides of the House are concerned. Shri Haren Pandya's father said repeatedly on record, publicly, that so long as Shri Narendra Modi is the Chief Minister of Gujarat, there can be no impartial inquiry into the killing of Shri Haren Pandya. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Sorry, you cannot speak like this. I now call Shri Prabhunath Singh.

...(*Interruptions)*

MR. SPEAKER: How can you speak like this? I have called Shri Prabhunath Singh.

SHRI S. JAIPAL REDDY : The Government of India must take note of this.